

संपादकीय

दिग्गज हुए ध्वस्त, बाकी मस्त

जी नहीं, बात राजनीति के दिग्गजों की नहीं हो रही। वो तो ध्वस्त होते ही रहते हैं। कभी ये, कभी वो। इनके अगर चवालीस बचे हैं तो कभी उनके भी दो ही बचे थे। इनके पास पंजाब-पांडिचेरी बचा है तो उनके पास तो कभी पंचायत भी नहीं होती थी। राजनीति में तो बड़े-बड़े तानाशाह ऐसे ध्वस्त हो जाते हैं, जैसे कभी थे ही नहीं, जबकि उनकी कोशिश रहती है कि सात पीढ़ियों-सात जन्मों की व्यवस्था तो कम से कम कर ही ली जाए।

इधर एक शासक पार्टी के अध्यक्ष ने अपने अनुयायियों से कहा कि साठ साल सत्ता में रहने की तैयारी करो। पर लोग तो अगला चुनाव ही मुश्किल बता रहे हैं। लोग साठ महीने में ही निपटाने को तैयार बैठे हैं। तो बात उनके ध्वस्त होने की नहीं हो रही है। वो तो ध्वस्त होते ही रहते हैं। पर इधर तो फुटबाल के दिग्गज भी ध्वस्त हो गए। बताओ अब क्या फुटबाल कप रह गया यार। ब्राजील बाहर हो गया, अर्जेंटीना बाहर हो गया, स्पेन बाहर हो गया, इटली बाहर हो गया, जर्मनी बाहर हो गया, उरुग्वे बाहर हो गया। सब तो बाहर हो गए। अंदर बहुत कम जगह है न जनाब, इसीलिए।

पर लोग तो ब्राजील और अर्जेंटीना का मुकाबला देखना चाहते थे। चलो इनमें से किसी से स्पेन का ही मुकाबला हो जाता। पर देखो मेस्सी ऑल टाइम ग्रेट, सर्वकालीन महान, मेस्सी भी नहीं चले। हर कर मैदान में खड़े रहे। पुराने जमाने के ऑल टाइम ग्रेट मेराडोना तो यह देखकर दर्शक दीर्घा में ही बेहोश हो गए। फिर रोनाल्डो भी तो नहीं चले। और नेमार बड़ी उम्मीद थी साहब, थोड़ा चले भी, पर अंततः नहीं ही चले।

पिछले कुछ वर्षों से फुटबाल भी अर्जेंटीना और ब्राजील के बीच जैसे ही विभाजित है, जैसे पहले हॉकी और अब क्रिकेट भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित है। हॉकी और क्रिकेट में भारत और पाकिस्तान बाहर हो जाएं, फिर देखने को क्या बचता है। लोग एकदम कैरैवी मंत्र का जाप करने लगते हैं-अब भैया कोई जीतो, क्या फर्क पड़ता है। अब यही हाल फुटबाल का है-अब अर्जेंटीना और ब्राजील तो बाहर हो ही गए। स्पेन भी मैदान में नहीं है। अब कोई जीतो, क्या फर्क पड़ता है।

पर चलते-चलते खबर यह आयी है साहब, रोनाल्डो नौ अरब का करार कर जुवेंटस क्लब से जुड़ गए। यह कुछ-कुछ जैसे ही है जैसे अरुण जेटली या स्मृति ईरानी चुनाव हार कर भी कैबिनेट मंत्री बन जाएं। खैर, जो भी हो साहब, यह टूर्नामेंट तो अश्वेत खिलाड़ियों का ही रहा। कभी अकेले पेले ही ब्लैक पर्ल होते थे, पर अब तो लगता है यह खेल ही ब्लैक पर्ल का हो गया है।

रंगभेद ऐसे भी हारता है। खैर, अब वर्ल्ड कप कोई जीते साहब पर असली विजेता तो रही थाईलैंड के उन बाल फुटबाल खिलाड़ियों की टीम जो मौत को हरा कर विजयी होकर लौटी है।

छठी बड़ी भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियां

एक ओर जब भारत जीडीपी के आधार पर दुनिया की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तब दूसरी ओर अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियां भी दिखाई दे रही हैं। एक बड़ी चुनौती तुलनात्मक रूप से कम प्रति व्यक्ति आय से संबंधित है। यद्यपि जीडीपी में भारत फ्रांस से आगे हो गया है लेकिन 2017 में भारत की प्रति व्यक्ति आय जहां 1964 डॉलर थी वहीं फ्रांस की प्रति व्यक्ति आय 42568 डॉलर थी। इसी प्रकार देश में आर्थिक असमानता का भी चिंताजनक परिदृश्य है। देश में अमीरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन आम आदमी की आमदनी तेजी से नहीं बढ़ रही है। देश के एक प्रतिशत लोगों के पास देश की संपत्ति का लगभग 73 फीसदी हिस्सा है। इन चुनौतियों का समाधान करने पर ही अर्थव्यवस्था में तेजी के साथ खुशहाली में

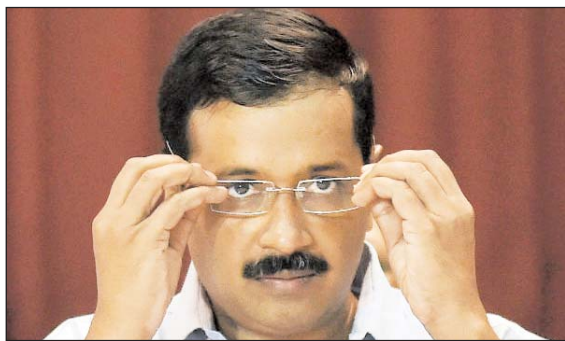


भी तेजी आएगी। 11 जुलाई को प्रकाशित विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2017 के अंत में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2.6 लाख करोड़ डॉलर (178.59 खरब रुपए) हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक पांच अन्य अर्थव्यवस्थाएं, जिनके नाम भारत से ऊपर हैं, उनमें अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी और ब्रिटेन के क्रम हैं। विश्व बैंक का कहना है कि यदि भारत आर्थिक और कारोबार सुधारों की

प्रक्रिया को वर्तमान की तरह निरंतर जारी रखता है तो वह वर्ष 2018 में ब्रिटेन को पीछे करते हुए दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2030 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। ब्रिटिश ब्रोकरेज कंपनी हांगकांग एंड शंघाई बैंक कारपोरेशन ने अपनी अध्ययन रिपोर्ट में कहा है कि यद्यपि वर्ष 2016-17 में भारत की आर्थिक वृद्धि के रास्ते में बाधा उत्पन्न हुई थी लेकिन अब भारत में आर्थिक सुधारों के कारण अर्थव्यवस्था का प्रभावी रूप दिखाई देगा और अगले 10-12 वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। भारत के वित्त मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में जिलेवार कृषि-उद्योग के विकास, बुनियादी ढांचे में मजबूती एवं निवेश मांग के निर्माण में यथोचित वृद्धि करने के लिए जो रणनीति बनाई गई, उससे 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 5,000 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा, जो कि अभी 2500 अरब डॉलर के करीब है। स्पष्ट है कि आगामी कुछ वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ेगी और दस-बारह वर्ष बाद यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है। आईएमएफ का कहना है कि 2018 में भारत की विकास दर 7.4 फीसदी रहेगी तथा 2019 में 7.8 फीसदी हो जाएगी। जबकि चीन में 2018 में विकास दर 6.6 फीसदी और 2019 में 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है।

फिर नये मुद्दों की तलाश में केजरीवाल



दिल्ली में अधिकारों को लेकर उपराज्यपाल (एलजी) अनिल बैजल और अरविंद केजरीवाल सरकार के बीच जारी जंग को लेकर सुप्रीमकोर्ट का फैसला आ जाने के बावजूद मामला नहीं सुलझा है। केजरीवाल सरकार ने अफसरों की सर्विस पर नियंत्रण के मामले में फिर से सुप्रीमकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अब सर्विस के मामले में भी सुप्रीमकोर्ट का फैसला शीघ्र आ जाएगा, लेकिन दिल्ली में आम चर्चा है कि इसके बाद भी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि केजरीवाल शांत बैठ कर काम करने लगेगे। वे फिर से किसी अन्य मुद्दे पर केंद्र सरकार खासतौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लड़ते दिखेंगे। सुप्रीमकोर्ट अपने ताजा फैसले में साफ कह चुका है कि भूमि, पब्लिक आर्डर और पुलिस को छोड़ कर बाकी सभी विषय दिल्ली सरकार के पास हैं। इसी अजर्जरीवाल सरकार के आधार बनाकर केजरीवाल सरकार अफसरों की सर्विस पर नियंत्रण चाहती है। दूसरी ओर एलजी केंद्रीय गृह मंत्रालय के अरुचूर 2015 के आदेश का हवाला देकर दलील दे रहे हैं कि सर्विस उनके ही पास है। केजरीवाल सरकार की शिकायत है कि 2015 में केंद्र सरकार ने इसी आदेश से सर्विस का अधिकार उससे छीना था और अब सुप्रीमकोर्ट के फैसले के बाद भी एलजी यह अधिकार नहीं छोड़ रहे हैं। केजरीवाल को भी केंद्र सरकार खासतौर पर मोदी से लड़ते दिखने के लिए हर दम एक मुद्दे की जरूरत है। इसी के सहारे वे दिल्ली और देशभर में उन सभी लोगों को अपने साथ लाने की कोशिश में हैं जो मोदी को पसंद नहीं करते।

नाटकीय सद्भाव

हेलसिंकी में सोमवार को हुई अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की शिखर वार्ता आश्चर्यजनक रूप से सौहार्द्रपूर्ण रही। दुनिया के दो सबसे ताकतवर देश, जिन्हें लंबे समय से एक-दूसरे का प्रतिद्वंद्वी माना जाता रहा है और जो दुनिया में कई मोर्चों पर आज भी एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं, उनके प्रमुख मिलें और सारे मतभेद भुलाकर दोस्ती की वकालत करें तो विश्व शांति के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है। दिक्कत बस यही है कि इस दोस्ती को संभव बनाने के लिए कोई ठोस कूटनीतिक प्रयास अब तक दोनों ओर से शुरू भी नहीं हो पाए हैं। मुलाकात से ठीक पहले तक किसी को अंदाजा नहीं था कि यह शिखर वार्ता इस कदर गर्मजोशी भरी रह सकती है। तमाम नाटकीयता के बावजूद इस बातचीत में किसी भी सवाल पर दोनों पक्षों की कोई ठोस प्रतिबद्धता नहीं उभर कर सामने आई है।

यह भी नहीं कहा जा सकता कि बैठक के दौरान दोनों पक्षों में किसी मामले को लेकर असहमति कम हुई या सहमति बढ़ी। इसका कारण यह है कि टकराववाले मसले उठाए ही नहीं गए। डॉनल्ड ट्रंप ने यह जरूर माना कि हाल में रूस के साथ अमेरिका के रिश्ते अपने सबसे बुरे रूप में नजर आए, लेकिन इसका ठीकरा उठाने अपने ही देश की बेवकूफाना

नीतियों पर फोड़ा। रूस के लिए इससे बेहतर कोई और बात हो ही नहीं सकती। क्रीमिया पर रूसी कब्जे का सवाल हो या यूक्रेन सीमा पर रूसी फौज के जमाव का, या ब्रिटेन में पूर्व रूसी जासूसों को जहर देकर मारे जाने का- ऐसी कोई भी बात ट्रंप की जुबान पर नहीं आई, जिससे पुतिन जरा सी भी असुविधा महसूस करते। साफ है कि मुलाकात को सद्भावपूर्ण बनाने की पूरी जिम्मेदारी ट्रंप ने अपने कंधों पर उठा रखी थी। अमेरिका के अंदर और बाहर उनके इस अतिशय उदार रुख को लेकर तरह-तरह की बातें कही जा रही हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति के मौजूदा संदर्भों तक ही सीमित रहें तो उनका यह रुख यूरोपीय समुदाय के लिए चिंता का विषय है, जिसे वार्ता से ठीक पहले उन्होंने अपना एनमी नंबर वन बताया।

कर्तव्य की जवाबदेही

लीबिया के लिबलिस शहर के एक प्रमुख अस्पताल में लंबे कद का एक आदमी लंबा चोगा पहने, चहलकदमी करता हुआ प्रत्येक स्थान और वस्तु का गहराई से निरीक्षण कर रहा था। तभी एक डाक्टर ने पूछा-ये मिस्टर, कौन हो तुम? यहां क्या कर रहे हो? वह बोला-डाक्टर, मेरे पिता बहुत बीमार हैं। डॉक्टर बोला-तो उन्हें यहां लाओ। उस व्यक्ति ने डाक्टर से कहा-बहुत कमजोर हैं। आप चलिए। डाक्टर ने कहा-मैं तुम्हारे घर कैसे जा सकता हूँ? वह बोला-भले ही रोगी मर जाए, फिर भी आप नहीं जा सकते? डाक्टर ने कहा-चीफ सिविल सर्जन से इस तरह बात की जाती है? यह सुन कर उस व्यक्ति ने सख्ती से उतर दिया-तुम भी नहीं जानते कि तुम किससे बात कर रहे हो। डाक्टर ने अस्पताल के वार्ड अटेंडेंट को पुकार कर कहा-इस पागल को पागलखाने भिजवा दो। जैसे ही अटेंडेंट आगे बढ़ा, उस व्यक्ति ने अपना चोगा उतार फेंका।

डाक्टर ने देखा, सामने सैनिक वरदों में एक रोबदार कर्नल खड़ा था। अपने देश के राष्ट्रपति कर्नल गदाफ़ी को सामने देख कर उसके होश उड़ गए। कर्नल गदाफ़ी ने आदेश दिया-डाक्टर, अब तुम्हारे लिए लीबिया में कोई जगह नहीं है। जो लोग अपना कर्तव्य निभाना नहीं जानते, उन्हें इस देश में रहने का कोई हक नहीं।

सामग्री

- 2 कप रेड किडनी बींस (राजमा)
- 1 कप ब्लैक बींस (सेम)
- 2 कप भुना हुआ टमाटर
- 2 कप सब्जियों का रस
- 1 कप मक्का
- 3 पीस लहसुन पीसा हुआ
- आधा कटा हुआ प्याज
- 1 लाल मिर्च कटी हुई
- 3-4 टेबलस्पून म&

बारिश में ऐसे बनाएं चिली वेजिटेरियन

तक पकाएं और धीमी आंच में तो कटीब 8 घंटे तक का पकने में समय लग सकता है। इस डिश की स्वास्थिता है कि आप इसमें अपने पसंदीदा टॉपिंग्स डाल सकते हैं।

इसके अलावा अक्वामोर, धनिया, पपीर, सख्ती मलाई आदि मिला सकते हैं। इसके बाद टॉटीला डिश के साथ इसे गर्मागर्म परोसें।

विधि :- इन सभी सामग्रियों को आपस में अच्छे से एक पैन में मिला लें। इसके बाद कुकर को धीमी आंच पर चढ़ा दें। कुकर गर्म होने के बाद इस मीली हुई सामग्री को उमरें डाल कर उसे पकाएं। इस दौरान याद रखें की अगर कुकर तेज आंच पर है तो उसे सिर्फ 4 घंटे

शब्द सामर्थ्य

बाएं से दाएं	पायल आदि का शब्द करना	संसार, दुनिया, जग
1. अभिमान, घमंड, अनुमान	21. मार डाला हुआ, धायल किया हुआ	14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.)
2. अधिकार वाला, अधिकारी	22. हमेशा, आवाज	15. सच्चा, धर्मनिष्ठ
3. गति, सामंजस्य, समा जाना	23. आग की लपट, ज्वाला	16. ईमानवाला
4. गति, सामंजस्य, समा जाना	24. झगड़ा, तकरार	17. अनुत्ता, बांका, अनुपम, छैला
5. कारावास, जेल	25. हीरा।	18. आश्रय, शरण
6. जान, सांस		19. साधुवाद, प्रशंसा
7. जोर, शक्ति, जान, सांस		20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग
8. अधिकार वाला, अधिकारी		21. साधुवाद, प्रशंसा
9. गति, सामंजस्य, समा जाना		22. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग
10. कारावास, जेल		23. गम, मातम, दुख।
11. जोर, शक्ति, जान, सांस		
12. राजाओं के रहने का भवन		
13. मालामाल, अमीर, धनवान		
14. नाव खेने का यंत्र		
15. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना,		
16. अंश		
17. मृत्यु के देवता		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 72 का हल

1	3	4	5
6	7	8	9
10			
	12	13	14
15	16		17
		18	19
20			
		21	
22			23
24			25

स्मृ	ति	पा	व	क	बे	ल
र	ज	नी	च	र		टू
मु	स्का	न	न	म	की	न
सा	र	स		ट	ख	ना
फि	अ	जा	य	ब	रा	जा
र	च	ना	थाल			य
	धि	र्थ	स	मा	ज	
उ	प	कृ	त	आ	वा	ज
ल्लू	त		ब	ल	रा	म

सू-दोक्

	9		1	6		2		7
3								
		6						9
7			5		1			3
	8			9		6		2
		4						7
6		3			2	9		6
	4		7	3				4
				1		7	8	

नियम

- कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनाता है।
- हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
- बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र.72 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

राशिफल

मेष: आज आपको हर काम सौध-समझकर करना चाहिए। यह आज आपके पक्ष में कम ही है तो बेहतर होगा कि रिस्क न लिया जाए। जल्दबाजी काम बिगाड़ सकती है, इसलिए धीमी गति से लेकिन पूरी उत्कर्षण से कामों को अंजाम दें। इससे स्वामी लाभ प्राप्त होगा।
 वृषभ: उल्टी ही भाव्य आपके ऊपर मेहरबान होने वाला है। यदि आप किसी पुराने काम धंधे को बंद करके नया काम शुरू करना चाह रहे हैं तो अच्छा लाभ होगा। आज ऐसे ही सुखद संकेत लेकर दिन आया है।
 मिथुन: आज आपको ऐसे लोगों कि जैसे बुद्धि वक्त अब टल गया है। पुरानी उलझने खत्म होती हुई नजर आरंगी। कुछ काम जो अब तक अटक रहे थे, उनके बनने की राह बनेगी।
 कर्क: अपने कार्यक्षेत्र या व्यापार में आज आपको अपनी बेहतर स्थिति और पहचान बनाने के लिए बहुत कड़ी मेहनत करनी होगी। सिर्फ बात करने से या ऊँची-ऊँची डींगें हाँकने से बचें और काम पर फोकस करें।
 सिंह: जिन घरेलू समस्याओं से आप जूझ रहे हैं उनको हल करने के लिए आपको कुछ सामाजिक संपर्क और लोगों से बातचीत करनी होगी। यह काम कुछ ऐसे ही जो धन या हैंसियत के बावजूद बिना दुस्तरों की मदद के हल नहीं हो सकते हैं। शत्रुओं पर विजय कारक है।
 कन्या: आज आपको अपने सामाजिक दायरे में उठने-बैठने से विशेष सम्मान हासिल हो सकता है। दोस्तों और मित्रों के प्रभावक्षेत्र में रहकर किसी संस्था की सदस्यता लेना आपके लिए हितकर होगा। अगर आप अपने स्वास्थ्य में गिरावट महसूस कर रहे हैं तो जल्द इलाज कराएं अन्यथा खर्च बढ़ सकता है।
 तुला: इस समय आपके गिरेते स्वास्थ्य पर सबकी नजर हुई है यह कुछ ऐसा मामला भी हो सकता है, जिसमें आप स्वयं लापरवाही बरत रहे हैं। सुबह जल्दी उठकर वॉक करें, लाभप्रद रहेगा। अगर आपका तनमन स्वस्थ रहेगा तो जीवन भी उमंग से भरा रहेगा।
 वृश्चिक: आज आप कर्म से ज्यादा भाव्य पर भरोसा रख सकते हैं। किसी के कहने पर पूजा पाठ तंत्र मंत्र का सहारा भी ले सकते हैं। लेकिन यह सब एक अस्थायी सखना जल्दी है। वास्तविकता यह है कि आपके कामकाज के तौर-तरीके लोगों को समझ में कम ही आते हैं।
 धनु: आज आप किसी प्रकार के परीमेन्ट के कागज पत्रों में हस्ताक्षर करने के लिए आतुर रहेंगे। यदि किसी की जमानत दे रहे हों तो उजमं सावधानी रखना जरूरी है। ऐसे व्यक्ति को मदद के नाम पर धन न दें, जिसे पूरी राह जानते न हों।
 मकर: आज अपने कामकाज में आपकी मजबूत स्थिति के लिए कुछ लोग आपको अपनी ओर खींचने की चेष्टा कर सकते हैं। यदि आप अपने वर्तमान कार्यक्षेत्र को गंभीरता से लें तो कहीं और जगह जाने या भटकने की जरूरत नहीं है। आप जहां भी स्थिर रूप से काम करेंगे, वही जगह आपको फायदेमंद साबित हो जाएगी।
 कुंभ: इस वक्त आपको समय के साथ स्वयं को भी बदलने की कोशिश करनी चाहिए। आप इन बातों पर गंभीरता से ध्यान दें तो अपने करियर में अच्छा सुकाम हासिल कर सकते हैं। दूसरों के ममलों को सुलझाने की बजाय अपनी समस्या देखें।
 मीन: आज आप अपने अंदर कुछ ताजगी और हल्कापन महसूस करेंगे। काफी दिनों से चल रहा मनसिक तनाव अब खुद-ब-खुद गायब हो रहा है। अपनी मुश्किलों को नजरअंदाज करके बदलाव की इच्छा मन में जगेगी, सकारात्मक रहे।